†STRIKE BY EMPLOYEES OP THE OFFICE OF THE A.G., BIHAR

977. SHRI REWATI KANT SINHA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that all the Class III employees of the Office of the Accountant General, Bihar at Ranchi went on strike from 4th July, 1967 and Class IV employees of the same office joined the strike from 5th July, 1967;

(b) if so, for how many days that strike continued and what were the demands of the strikers; ar. *i*

(c) whether Government are taking any steps to meet their demands an i if so, what are those steps?]

उपप्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री **मोरारजी आर० देसाई**): (क) उक्त कार्यालय के तृतीय श्रेणी के अधिकांश कर्मचारियों ने 3 जुलाई, 1967 से "लेखनी–त्याग" हड़ताल की और कार्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 5 जुलाई, 1967 को हड़ताल में शामिल हुए ।

(ख) हड़ताल 9 जुलाई, 1967 तक अर्थात् सात दिन तक चली जिनमें से दो दिन छुट्टियों के थे । हड़ताल करने वालों की मांग थी कि कुछ कर्मचारियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा दर्ज किये गये फौजदारी के मामले तथा इस कारण नियमों के अन्तर्गत उनको जारी किये गये मुअत्तली के आदेश वापस किये जाने चाहिएं ।

(ग) हड़ताल बिना किसी शर्त के खत्म कर दी गयी । गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों के खिलाफ चल रहे फौजदारी के मामले अपना सामान्य समय लेंगे ही । फौजदारी मामलों पर फैसला होने तक सम्बन्धित कर्मचारियों के खिलाफ जारी किये गये मुअत्तली के आदेशों पर विचार नहीं किया जा सकता ।

t[THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJi R. DESAI): (a) A large majority of Class III employees of the office went on a pen clown strike from 3rd July, 1967 and Class IV employees of that office joined the strike from 5th July, 1967.

(b) The strike continued for seven days, till 9th July, 1967 out of which there were two holidays. The de mand of the strikers was that crimi nal cases instituted by the Police against some officials and consequent suspension orders issued on them ac cording to the rules should be with drawn.

(c) The strike was withdrawn un conditionally. The criminal cases against the officials who were arrested will have to take their normal course. Till a decision is known on the cri minal cases, the demand for with drawal of suspension orders against the officials cannot be considered.]

सल्फ्यूरिक फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट

978. **श्री रेवतीकान्त सिंह** : क्या **पेट्रोल तथा रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पाईराइटीज एण्ड कैमिकल्स डेवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड द्वारा 1960 में सल्फ्यूरिक फर्टिलाइजर प्राजेक्ट शुरू किया गया था लेकिन अब तक उसमें कोई उत्पादन शुरू नहीं हुआ है; और

(ख) यदि हां तो उपरोक्त प्राजेक्ट द्वारा कब उत्पादन शुरू किये जाने की संभावना है और उत्पादन में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

†[ ] English translation.

†SULPHURIC FERTILIZER PROJECT

978. SHRI REWATI KANT SINHA: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Sulphuric Fertilizer Project was taken up as early as in 1960 by the Pyrites and Chemicals Development Company Limited but no production has so far been started; and

(b) if so, when is the production of the above mentioned project likely to start and what are the reasons for delay in production?]

पेट्रोल तथा रसायन और योजना तथा समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० रघुरमैया) : (क) और (ख) यह अनुमान है कि आशय सल्फ्यूरिक एसिड संयन्त्र से है, सल्फ्यूरिक फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट से नहीं। यदि ऐसा है, तो 1962 में पाईराइटस एण्ड कैमिकल्स डेवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड के अधीन 100 मीटरी टन। प्रतिदिन सल्फ्यूरिक एसिड के एक सन्यन्त्र, बाद में जिसकी क्षमता 400 मीटरी टन प्रति दिन तक बढ़ा दी गई थी की स्थापना का फैसला किया था। संयंत्र के अब 1968 के तीसरे चतुर्थांश तक उत्पादन शुरू कर देने की आशा है। मुख्यत: अमझोर स्थित पाईराइटस भंडारों के परीक्षण और विकास में समय लग जाने के कारण प्रोजेक्ट की कार्यान्विति में देर हुई है।

t[THE| MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND OF PLANNING AND SOCIAL WELFARE (SHRI K. RAGHURAMAIAH): (a) and (b) The reference is presumably to a Sulphuric acid plant and not to a Sulphuric Fertilizer project. If so, a decision to build a 100 tonnes/day Sulphuric acid plant under the Pyrites and Chemicals Development Company Limited was taken in 1962 and the capacity was subsequently raised to 400 tonnes/day. The plant is now expected to go into production towards the third quarter of 1968. The project has been delayed mainly owing to the time taken in proving and developing the pyrites deposits at Amjhore.]

†[ ] English translation.

पाईराइटीज एण्ड कैमिकल डेवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड द्वारा शटल कारों और मशीनों की खरीद

979. **श्री रेवतीकान्त सिंह** : क्या पेट्रोल तथा रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि पाईराइटीज एण्ड कैमिकल डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड, अमझोर बिहार की खानों में उपयोग किये जाने के लिए राष्ट्रीय कोयला विकास निगम से पुरानी शटल कारें और मशीनें खरीदी गई हैं;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त कम्पनी की खानों के लिये ये मशीनें उपयुक्त नहीं समझी गई हैं और इसलिये वे बेकार पड़ी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन मशीनों का उपयोग करने के लिये उक्त खानों को चौड़ा किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप खान की छत कमजोर हो रही है और 31 मई, 1967 को एक जगह पर खान की छत धंस गई जिसके कारण एक मजदूर श्री बिफन दुसाध की मृत्यु हो गई; और

(घ) यदि हां, तो इस अनियमितता के लिये जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है?